S-III/4/220/17

चतुर्थ पत्रम्

हिन्दी साहित्य

समयः तीन घन्टा पूर्णाङ्क 100

अ. किन्हीं बीस प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (20×2=40)

1. रस की परिभाषा लिखिए।
2. रस कितने प्रकार के होते हैं?
3. यौगिक की परिभाषा लिखिए।
4. व्यंजना के कितने भेद है? नाम लिखिए।
5. "रस सारः चिदानंद-प्रकाशः" का अर्थ लिखे।
6. अलंकार की परिभाषा लिखिए।
7. अलंकार शब्द का सबसे पहले कहाँ प्रयोग मिलता हैं।
8. अनुप्रास अलंकार की परिभाषा लिखिए।
9. यमक अलंकार का उदाहरण दीजिए।
10. श्लेष अलंकार की परिभाषा लिखिए।
11. छंद के कितने अंग हैं? नाम लिखिए।
12. रमणीयता के आधार पर काव्य के कितने भेद हैं? नाम लिखिए।
13. मात्रिक छंद किसे कहते हैं?

14. 'यगण' लिखिए।

15. गीत काव्य का अर्थ लिखिए।

16. मानवीकरण क्या है?

17. आलोचना शब्द की व्युत्पत्ति लिखिए।

18. निबंध किसे कहते हैं?

19. "काव्येषु नाटकं रम्यम्" का अर्थ लिखिए।

20. प्रतीक किसे कहते हैं?

21. बिम्ब का अर्थ लिखिए?

22. बिम्ब के मुख्यत: कितने तत्त्व हैं?

23. मिथक शब्द के विलोम लिखिए।

24. मिथक की परिभाषा दीजिए।

25. नाटक शब्द की व्युत्पत्ति लिखिए।

ब. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×8=40)

26. शृगांर रस का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।

27. शब्द शक्ति किसे कहते हैं?

28. उपमा अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।

29. छंद के कितने प्रकार हैं, वर्णन कीजिए।

30. गीत काव्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर विचार कीजिए।

31. आलोचना का अर्थ एवं परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

32. रूप रचना की दृष्टि से काव्य के भेदों का उल्लेख कीजिए।

स. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। (1×20=20)

34. नाटक की परिभाषा, महत्त्व व तत्वों का विस्तृत विचार कीजिए।

35. महाकाव्य की भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।